भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1324

उत्तर देने की तारीख-11/12/2023

विश्व बैंक द्वारा अनुमोदित ऋण का उपयोग

†1324. श्री मोहम्मद फैजल पी.पी.:

श्री बैन्नी बेहनन:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा जुलाई, 2023 तक 27,693 रिक्तियों को भरने के लिए क्या कार्रवाई की गई है; और

(ख) भारत में तकनीकी शिक्षा को बढ़ाने के लिए विश्व बैंक द्वारा अनुमोदित 255.5 मिलियन डॉलर के ऋण का उपयोग करने से संबंधित सरकार की विशिष्ट रोजगार सृजन योजनाएं क्या हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(डॉ. सुभाष सरकार)

(क) और (ख): शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत केंद्रीय उच्च शिक्षण संस्थान (सीएचईआई) संसद के संबंधित केंद्रीय अधिनियमों के तहत स्थापित वैधानिक स्वायत्त संगठन हैं और उनके तहत बनाए गए अधिनियमों/ कानूनों/ अध्यादेशों/ विनियमों के प्रावधानों द्वारा अभिशासित होते हैं। रिक्तियों का होना और उन्हें भरना एक सतत प्रक्रिया है। रिक्तियाँ सेवानिवृत्ति, त्यागपत्र और छात्रों की संख्या में वृद्धि के चलते अतिरिक्त आवश्यकताओं के कारण उत्पन्न होती हैं। सभी केंद्रीय उच्च शिक्षण संस्थान (सीएचईआई) मिशन मोड में रिक्तियों को भरने का प्रयास कर रहे हैं। संस्थानों ने रिक्तियों को भरने के लिए विशेष भर्ती अभियान चलाए हैं और दिनांक 05.12.2023 तक संस्थानों में कुल 19405 रिक्तियां भरी गई हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 में एचईआई द्वारा स्टार्ट-अप इनक्यूबेशन केंद्र; प्रौद्योगिकी विकास केंद्र; अनुसंधान के अग्रणी क्षेत्रों में केंद्र स्थापित करके अनुसंधान और नवाचार; अधिकाधिक उद्योग-शैक्षणिक संपर्क, और कम सामग्री की ओर बढ़ने, और गहन रूप से सोचने और समस्याओं को हल करने के तरीके के बारे में अधिगम की दिशा में अधिक अग्रसर होने, रचनात्मक और बहुविषयक कैसे बनें, और नए तथा बदलते क्षेत्रों में नई सामग्री को कैसे नया रूप दें, अनुरुप बनाएं और अवशोषित करें, इस पर फोकस किए जाने की परिकल्पना की गई है। इसके अनुरूप, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), जो तकनीकी शिक्षा का विनियामक निकाय है, इस प्रयोजनार्थ नई उभरती प्रौद्योगिकियों से संबंधित वैकल्पिक पाठ्यक्रमों को मंजूरी देने, पाठ्यक्रम में संशोधन, परीक्षा सुधार, इंडक्शन कार्यक्रम, छात्र इंटर्नशिप, शिक्षक प्रशिक्षण नीति, अनिवार्य प्रत्यायन और हैकाथॉन जैसी कई पहल कार्यान्वित कर रही है। इसके अलावा, उभरते क्षेत्रों में बहु-विषयक शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए, एआईसीटीई ने सभी आईटी संबंधित पाठ्यक्रमों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस घटक को शामिल किया है।

*****